

in such manner as the Chairman may direct, one member from among the members of the House to be a member of the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh in the vacancy caused by the retirement of Shri Sushil Barongpa from the membership of Rajya Sabha on the 2nd April, 2000.

*The question was put and the motion was adopted.*

**MOTION FOR ELECTION TO THE GENERAL COUNCIL OF THE  
INDIAN SCHOOL OF MINES, DHANBAD**

**मानव संसाधन विकास मंत्री (डा. मुरली मनोहर जोशी) :** सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव उपस्थित करता हूँ —

“इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, धनबाद के नियम और विनियम के नियम 15 के खंड (7) के साथ पठित नियम 4 के खंड (ii) से (iv) में अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसरण में यह सभा उस रीति से जैसे कि सभापति निर्देश दें, 2 अप्रैल 2000 को श्री जर्नादन यादव के राज्य सभा की सदस्यता से निवृत्त होने के इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, धनबाद की सामान्य परिषद का सदस्य होने के लिए निर्वाचित की कार्यवाही करे।”

*The question was put and the motion was adopted.*

**STATEMENT REGARDING GOVERNMENT BUSINESS**

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS ( SHRI O. RAJAGOPAL): Sir, with your permission, I rise to announce that the Government Business during the week commencing Monday, 8th May, 2000 will consist of:

1. Consideration and return of Appropriation (No.2) Bill, 2000 as passed by Lok Sabha.
2. Consideration and return of the Finance Bill, 2000 as passed by Lok Sabha.

3. Discussion on the working of the Ministry of Defence.
  4. Consideration and return of the President's Emoluments and Pension (Amendment) Bill, 2000 as passed by Lok Sabha.
  5. Consideration and passing of the following Bills after these have been passed by Lok Sabha.
    - (i) The Constitution (89th Amendment) Bill, 2000
    - (ii) The Constitution (90th Amendment) Bill, 2000
  6. Consideration and passing of:-
    - (i) The Major Port Trusts (Amendment) Bill, 1998
    - (ii) The National Housing Bank (Amendment) Bill, 2000
- I may also inform the House that the Constitution (89th Amendment) Bill, 2000 and the Constitution (90th Amendment) Bill, 2000 will be taken up for consideration and passing on Thursday, the 11th May, 2000.

MR. CHAIRMAN: Now, we will take up the Calling Attention. Shri Nilotpal Basu.

**श्री बनारसी दास गुप्त (हरियाणा) :** सभापति जी, मेरा मामला बड़ा गंभीर है, मैं आपसे प्रार्थना करना चाहता हूँ। मुझे इजाजत दीजिए। यह आतंकवाद का मामला है, सारा देश इससे दुखी है।

**श्री सभापति:** आपका मामला बहुत इंपोर्टेंट हैं। आप पहले नोटिस दे देते, मुझसे आकर बात करते तो मैं जरूर किसी न किसी तरह से एडजस्ट करता। अब कालिंग अटेंशन का मैम्बरों का जो राइट है, उसको मैं छीनना नहीं चाहता हूँ।

**श्री बनारसी दास गुप्त :** मुझे अभी आप यह पत्र मिला है।

**श्री सभापति :** ठीक है, आप कल बात कर लीजिए। मैं जरूर सोचूंगा कि इसके बारे में क्या करना चाहिए। बात करेंगे।

**श्री बनारसी दास गुप्त :** मैं फिर अब आपकी सेवा में उपस्थित होऊँ।  
...(व्यवधान)...

**श्री मोहम्मद आजम खान (उत्तर प्रदेश) :** सभापति जी, मेरे पास कई नोटिस पेंडिंग हैं। मैं इसलिए आपके पास हाजिर होता ...(व्यवधान)...

**श्री सभापति :** देखिए, अभी नहीं। ...(व्यवधान)...

**श्री मोहम्मद आजम खान :** मैं शिकायत नहीं कर रहा हूँ। मैं आपके पास आने के लिए थोड़ा सा कतराता हूँ। सीटें कम हैं, परेशानी होगी। ...(व्यवधान)...

**श्री सभापति :** आपके लिए बिल में बहुत जगह है। आप जब जाएंगे तो बार कर लेंगे।